

॥ श्री गणपतीची आरती ॥

सुखकर्ता दुःखहर्ता वार्ता विघ्नाची |  
नुरवी पुरवी प्रेम कृपा जयाची ॥  
सर्वांगी सुंदर उटी शेंदुराची |  
कंठी झळके माळ मुक्ताफळांची ॥ 1 ॥  
जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती ॥  
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती ॥ धृ ॥

रत्नखचीत फरा तुझ गौरीकुमरा |  
चंदनची उटी कुमकुम केशरा ॥  
हिरे जडीत मुकुट शोभतो बरा |  
ऋण झून तेणु पुरी चरणी घागरिया ॥ 2 ॥  
जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती ॥  
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती |

लंबोदर पीतांबर फणिवर बंधना |  
सरळ सोंड वक्रतुंड त्रिनयना ॥  
दास रामाचा वाट पाहे सदना |  
संकटी पावावे निर्वाणी रक्षावे सुरवरवंदना ॥ 3 ॥  
जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती |  
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती ॥